980502 - B2

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **13** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **18** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर **क्रमानुसार** - दीजिए।

खंड - क

1. अपठित पद्यांश **5**

सच हम नहीं सच तुम नहीं

सच है महज संघर्ष ही

संघर्ष से हट कर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम ।

जो नत हुआ वह मृत हुआ ज्यों वृंत से झर कर कुसुम ।

जो लक्ष्य भूल रुका नहीं ।

जो हार देख झूका नहीं ।

जिसने प्रणय पाथेय माना जीत उसकी ही रही ।

सच हम नहीं सच तुम नहीं ।

ऐसा करो जिससे न प्राणों में कहीं जड़ता रहे ।

जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे ।

जो भी परिस्थितियाँ मिलें ।

काँटे चुभे, कलियाँ खिले ।

हारे नहीं इंसान, है संदेश जीवन का यही ।

सच हम नहीं सच तुम नहीं ।

उपरोक्त पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उचित विकल्प छाँटकर लिखिए -

(क) पद्यांश के आधार पर बताइए कि जीत किसकी होती है ? **1**

(i) जो कठिनाइयों से प्रेम करता हो (ii) जिसके प्राणों में जडता आ जाती है

(iii) जो फूल डाल से टूट कर गिरते हैं (iv) हारने पर लक्ष्य भूल जाते हैं

(ख) 'प्रणय' का अर्थ है - **1**

(i) विरक्ति (ii) नफरत

(iii) प्रेम (iv) अहंकार

(ग) 'जो नत हुआ वह मृत हुआ' कवि ने ऐसा क्यों कहा है ? **1**

(i) झूके हुए इंसान का अस्तित्व नहीं होता

(ii) झूके हुए इंसान का कोई परिचय नहीं होता

(iii) झूके हुए इंसान का आत्मसम्मान नहीं रहता

(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) कवि के अनुसार सच क्या है ? **1**

(i) हम और तुम

(ii) लक्ष्य

(iii) संघर्ष

(iv) परिस्थितियाँ

(ङ) इस काव्यांश का मूल - भाव है - **1**

(i) पराजय को स्वीकार नहीं करना

(ii) लक्ष्य को देख कर रूकना

(iii) सबके सामने झूकना

(iv) चुपचाप चलते रहना

2. अपठित काव्यांश **5**

मैं तुम्हारी मौन करूणा का सहारा चाहता हूँ ।

जानता हूँ, इस जगत में,

फूल की है आयु कितनी ।

और यौवन की उभरती

साँस में है वायु कितनी

इसलिए आकाश का विस्तार

सारा चाहता हूँ ।

मैं तुम्हारी मौन करूणा का सहारा चाहता हूँ ।

प्रश्न - चिहनों में उठी है

भाग्य सागर की हिलोरें ।

आँसुओं से रहित हों गी

क्या नयन की नमित कोरें ?

जो तुम्हें कर दे प्रवित

वह अश्रु - धारा चाहता हूँ

मैं तुम्हारी मौन करूणा का सहारा चाहता हूँ ।

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्प से छाँटिए -

(क) कवि मौन करूणा का सहारा क्यों चाहता है ? **1**

(i) ईश्वर की अनुकम्पा चाहता है

(ii) भाग्यवान होना चाहता है

(iii) परिस्थिति को वश में करना चाहता है

(iv) सुख - वैभव चाहता है

(ख) 'साँस में है वायु कितनी' का तात्पर्य समझाइए - **1**

(i) वायु में मिलावट है

(ii) वायु का आवागमन ठीक नहीं है

(iii) सांस की रफ्तार धीमी है

(iv) साँस का दूसरा नाम वायु ही है प्राणवायु

(ग) प्रस्तुत कविता में 'तुम्हारी' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ? **1**

(i) प्रेमिका (ii) पत्नी

(iii) माँ (iv) ईश्वर

(घ) फूल की आयु और यौवन की साँस में कवि व्यक्त करना चाहता है -

(i) भौतिक आनंद (ii) क्षण भंगुरता

(iii) प्रकृति की सुंदरता (iv) चिर आनंद

(ङ) कवि 'आकाश का विस्तार सारा चाहता हूँ' क्यों कहना चाहता है- **1**

(i) साम्राज्य विस्तार (ii) बहुत ऊँचा ओहदा

(iii) विशाल हृदय (iv) बुद्धिमान

3. अपठित गद्यांश **5**

कभी अफसर को जाते हुए देखिए। तबादले का दृश्य बड़ा रोचक होता है। कहा जाता है कि इस मौके पर हम क्या कहें। एक तरफ हमें बड़ा अफसोस है कि वर्मा साहब आज हमारे बीच से जा रहे हैं, दूसरी तरफ हमें खुशी भी है कि शर्मा साहब हमारे बीच आ रहे हैं। विदाई का भाषण देने वाले के सामने धरम संकट रहता है। नए अफसर को मक्खन लगाने और जाते हुए के लिए शाब्दिक अफसोस प्रकट करने की मिश्रित अभिव्यक्ति के लिए उसे शब्द नहीं सूझते। कुछ शब्द हैं जो कह दिए जाते हैं और जाता हुआ अफसर संतोष कर लेता है। एक प्लेट से चमच कूदकर दूसरी प्लेट में आ जाता है। नया अफसर यानि सब कुछ नया। यहाँ की टेबल वहाँ और वहाँ की टेबल यहाँ। सफ़ाई, झाड़ू, चुस्त। नये अफ़सर को क्रोटन पसन्द है, सो पुराने अफ़सर के कैक्टस गए भाड़ में। पंक्चुअलटी पर विशेष जोर। साढ़े दस यानि साढ़े दस । बड़े बाबू की परेड और चपरासी का ओवरटाडम। नया अफसर आया है तो बिगड़ी गाड़ी दुरस्त होगी। पर यह सारी चुस्ती शुरु के दो माह, बाद में वही ढर्रा। तब तक बड़े बाबू और अफसर में सूत्र जुड़ जाते हैं और दुरुस्त गाड़ी फिर उसी चाल से चलने लगती है जैसे बिगड़ी गाड़ी चलती है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए –

(क) पुराने अफ़सर की पसंद क्या थी ? **1**

(i) गुलाब (ii) डालिया

(iii) एलोवेरा (iv) कैक्टस

(ख) नया अफ़सर आया है तो बिगड़ी गाड़ी दुरुस्त होगी – का तात्पर्य है । **1**

(i) ऑफिस की गाड़ी मरम्मत होगी

(ii) पुराने अफ़सर की गाड़ी मरम्मत होगी

(iii) ऑफिस के माहौल को ठीक किया जायेगा

(iv) नए अफ़सर के लिए नई गाड़ी आएगी

(ग) विदाई का भाषण देने वाले के सामने धरम – संकट रहता है, क्यों ? **1**

(i) अफ़सोस व्यक्त करना पड़ता है

(ii) खुशी जाहिर करना पड़ता है

(iii) जाने वाले के लिए अफसोस आने वाले के लिए खुशी

(iv) उसे कोई जानकारी नहीं होती

(घ) दुरूस्त हुई गाड़ी फिर बिगड़ी गाड़ी की तरह कैसे चलने लगती है ? **1**

(i) बड़े बाबू और नए अफसर में झगड़े होते हैं

(ii) बड़े बाबू परेड करने के लिए मना करते हैं

(iii) बड़े बाबू और अफ़सर में सूत्र जुड़ जाते हैं

(iv) ऑफिस का माहौल पसंद नहीं होता है

(ङ) नए अफ़सर के आने पर किस बात पर विशेष जोर दिया जाता है ? **1**

(i) अनुशासन (ii) योग्यता

(iii) क्रोटन (iv) पंक्चुअलटी

4. अपठित गद्यांश **5**

लोग कहते हैं कि आकाश और ज़मीन कभी एक नहीं होते और वें यह भी कहते हैं कि प्रकृति और पुरुष की धमाचौकड़ी में सदा प्रकृति पराजित होती है, पुरुष विजयी होता है। मेरा अनुरोध है कि देखें एक बार वे भारत के मुकुट कश्मीर को, जहाँ सुषमा हँसती है, सौंदर्य बिखरता है। झील के थिर पानी पर सूर्य की स्वर्ण लहरी उठती है। पहाडों पर बादलों की परत की इंद्रधनुषी तरंग पर जलतरंग की स्वर्ण लहरी उठती है। पहाडों पर बादलों की परत की परत आसमान से बातें करती दिखाई देती है और शिखर से नीचे देखने पर आकाश ही ज़मीन पर मालूम होता है। अतएव्, देखकर जिसे जी न भरे ऐसी यहाँ की छटा है, चखकर जिसका स्वाद न मिटे ऐसी यह खुराक है और सुनकर जो कानों के बाहर न निकले ऐसा यह संगीत है। यहाँ की चप्पे - चप्पे जमीन कुदरत की ऐसी प्यारी देन है, जो इनसान नहीं गढ़ सकता, भगवान ही उसका निर्माण कर सकता है।

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर सही विकल्प को चुनकर लिखिए -

(क) जो कानों के बाहर न निकले ऐसा यह संगीत है, कहने का अर्थ है - **1**

(i) अत्यधिक शोर के कारण संगीत का सुनाई न देना

(ii) संगीत में अरुचिकर शब्दों का चयन

(iii) संगीत जो अंत: मन को छू जाए

(iv) चालू संगीत

(ख) पहाड़ों पर बादलों की परत किससे बातें करती है ? **1**

(i) पहाड़ो से (ii) पहाड़ो पर उगे पेड़ो से

(iii) आसमान से (iv) झीलों से

(ग) मेरा अनुरोध है कि देंखे एक बार वे भारत के मुकुट कश्मीर को, जहाँ सुषमा हँसती है, सौंदर्य बिखरता है। यहाँ पर सुषमा कौन है ? **1**

(i) एक लड़की का नाम

(ii) एक नारी का नाम

(iii) प्रकृति

(iv) सुन्दरता

(घ) लेखक के अनुसार प्रकृति और पुरुष की धमाचौकड़ी में जय – पराजय किसमें होता है ? **1**

(i) प्रकृति पराजित पुरुष विजयी

(ii) प्रकृति विजयी पुरुष पराजित

(iii) दोनों पराजित

(iv) दोनों विजयी

(ङ) लेखक के अनुसार कश्मीर का निर्माण किसने किया है ? **1**

(i) इंसान (ii) भगवान

(iii) परिस्थिति (iv) वातावरण

खंड 'ख'

5. (i) 'ख्याति' शब्द का सही वर्ण – विच्छेद है – **1**

(क) ख् + या + अ + त् + इ

(ख) ख् + य् + आ + त् + इ

(ग) ख् + य + अ + त् + इ

(घ) ख् + या + त + ई

(ii) 'सामीप्य' शब्द का वर्ण विच्छेद है – **1**

(क) स् + आ + म् + ई + प् + य् + अ

(ख) सा् + म् + ई + प् + य् + अ

(ग) स् + म् + ई + प् + य् + अ

(घ) सा + म + ई + प् + अ

(iii) नीचे दिए गए शब्दों में 'र' का सही प्रयोग हुआ है – 1

(क) टर्क, त्रक (ख) वक्र, डार्मा

(ग) प्रार्थना, पूर्वक (घ) ड्रम, रार्ब्ट

(iv) 'सम्बन्ध' का मानक रूप है – 1

(क) सन्बंध (ख) संबंध

(ग) संबन्ध (घ) सन्बन्ध

6. (i) नीचे दिए शब्दों में से अनुनासिक शब्द छाँटकर लिखिए – 1

(क) अधेरॉं (ख) अँधेंरा

(ग) अँधेरा (घ) अंधेराँ

(ii) निम्नलिखित शब्दों में से सही नुक्ता वाले शब्द छाटिएँ 1

(क) दरवाजा, नमक (ख) राज़, फ़ैसला

(ग) गम्, ख़याल (घ) तूफ़ान, मजदूर

(iii) 'पुरातत्व' शब्द में उपसर्ग व मूल शब्द है – 1

(क) पुर् + तत्व (ख) पुरा + तत्व

(ग) पुरात् + त्व (घ) पुर + तत्व

(iv) 'स्वदेश' में प्रयुक्त उपसर्ग है – 1

(क) स्व (ख) सव्

(ग) श्व (घ) सव

7. (i) 'चतुराई' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय है – 1

(क) आई (ख) ई

(ग) राई (घ) अई

(ii) जादूगर शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय है – 1

(क) जादू + अगर (ख) जाद + उगर

(ग) जादू + गर (घ) जदउ + गर

(iii) 'वायु' शब्द का पर्यायवाची है – 1

(क) मारूतू (ख) अनिल

(ग) अनलय (घ) वार्ता

(iv) 'स्त्री' शब्द का पर्यायवाची नहीं है – 1

(क) कांता (ख) वामा

(ग) वनिता (घ) कुंजर

8. (i) 'स्वप्न' शब्द का विलोम है - 1

(क) जागृत (ख) जगत

(ग) जीत (घ) अपथ्य

(ii) 'अर्थ' शब्द का विलोम नहीं है - 1

(क) अनर्थ (ख) बेकार

(ग) तुच्छ (घ) पैसा

(iii) 'प्रकृति' शब्द के अनेकार्थक रूप हैं - 1

(क) कुदरत, आचार (ख) स्वभाव, कुदरत

(ग) मूल, स्वभाव (घ) तरीका, मूलावस्था

(iv) 'भेद' शब्द का अनेकार्थक शब्द नहीं है - 1

(क) फूट (ख) प्रकार

(ग) रहस्य (घ) चमक

9. (i) 'जिसकी तुलना न की जा सके' के लिए उचित शब्द है - 1

(क) अतुल (ख) अतुलनीय

(ग) अतुलैय (घ) अतल

(ii) 'अगोचर' के लिए उपयुक्त वाक्यांश है - 1

(क) जिसे देखा जा सके (ख) जो देखने योग्य हो

(ग) जिसे देखा न जा सके (घ) देखने के लिए व्याकुल

(iii) 'थाली का बैंगन' मुहावरे का संभावित अर्थ छाँटिए - 1

(क) सिद्धांत वादी (ख) सिद्धांतहीन व्यक्ति

(ग) जिधर थाली उधर बैगंन (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

(iv) गोदामों में अनाज भरा होने पर भी सेठ ने ----- दिया। उचित मुहावरे भरिए - 1

(क) रंग उड़ जाना (ख) टका सा जवाब देना

(ग) दाँतों तले उँगली दबाना (घ) रूपया गंठी में रखना

खंड 'ग'

10. किसी एक काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पो से छाँटिए : **5**

रहिमन धागा प्रेम का , मत तोड़ो चट काय ।

टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय ॥

धनि रहीम जल पंक को लघु जिय पियत अघाय ।

उदधि बड़ाई कौन है, जगत पिया सो जाय ॥

(i) जिय और पियासो का मानक रूप लिखिए – **1**

(क) जीव, प्यासा (ख) जिअ, प्यास

(ग) जीअ, पिआस (घ) जी, प्यास

(ii) प्रेम का डोर किससे बँधा होता है ? **1**

(क) धागा (ख) विश्वास

(ग) क्रोध (घ) छल

(iii) रहीम ने पंक जल की धन्य क्यों कहा है ? **1**

(क) इस जल से जीवों की प्यास बुझती है

(ख) पंक जल मीठा होता है

(ग) यह जल पीने के योग्य होता है

(घ) उपर्युक्त सभी

(iv) सागर को बड़ाई क्यों नहीं होती ? **1**

(क) इस जल से काफ़ी गंदगी नहीं निकलती है

(ख) इस जल से किसी की प्यास नहीं बुझती

(ग) इसमें काफ़ी मछलियाँ होती है

(घ) सागर से पानी निकालना मुश्किल होता है

(v) रहीम प्रेम का धागा न तोड़ने की बात क्यों कहते हैं ? **1**

(क) धागा कच्चा होता है ।

(ख) प्रेम नहीं करना चाहिए ।

(ग) अविश्वास और संदेह से प्रेम नहीं रहता ।

(घ) धागा रेशम का नहीं होता ।

अथवा

यां आदमी पै जान को वारे है आदमी

और आदमी पै तेग को मारे है आदमी

पगड़ी भी आदमी की उतारे है आदमी

चिल्ला के आदमी को पुकारे है आदमी

और सुनके दौड़ता है सो है वो भी आदमी

(i) आदमी – आदमी को चिल्लाकर क्यों पुकारता है ? **1**

(क) दूसरा आदमी बहरा होता है

(ख) पहले आदमी को संदेह है कि उसे सुनाई नहीं दे रहा

(ग) मुसीबत में फँसे होने के कारण सहायता के लिये

(घ) आदत से मजबूर

(ii) प्रस्तुत कविता पढ़ने पर मनुष्य की कौन सी छवि उभरती है ? **1**

(क) अच्छा आदमी

(ख) बुरा आदमी

(ग) अच्छा और बुरा कर्म के अनुसार बना आदमी

(घ) दिखावा

(iii) आदमी – आदमी की पगड़ी कब उतारता है ? **1**

(क) किसी शादी – ब्याह में जाने की जरूरत पड़ती है

(ख) जब खुद के पास पगड़ी नहीं होती है

(ग) जब दूसरे की पगड़ी अच्छी लगती है

(घ) किसी की इज्ज़त उछाली जाती है

(iv) चिल्ला के आदमी का पुकारना और सुनकर दौड़ना में कवि ने किस पक्ष का उल्लेख किया है ? **1**

(क) सकारात्मक पक्ष

(ख) नकारात्मक पक्ष

(ग) सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष

(घ) उपरोक्त सभी

(v) आदमी एक दूसरे पर जान क्यों वारता है ? **1**

(क) नफ़रत के कारण

(ख) ईर्ष्या के कारण

(ग) आस्था, विश्वास और प्रेम के कारण

(घ) लालच के वश में आकर

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर संक्षेप में दीजिए- **2.5+2.5=5**

(क) रात में हुए अचानक हादसे से बचेंद्री पाल को कैसे बचाया गया ?

(ख) आपके विचार से पोशाक जीवन में क्या महत्व रखता है ?

(ग) शहरी सभ्यता धूल से बचना क्यों चाहती है ?

(घ) लेखिका की प्रशंसा करते हुए तेनजिंग ने क्या कहा ?

12. बुढ़िया का दु:ख और संभ्रांत महिला का दुख, दोनों में से किसके दु:ख ने लेखक को अधिक द्रवित किया और क्यों ? **5**

अथवा

लेखक किन कारणों से व्यथित है कि हमारी देशभक्ति धूल को माथे से न लगाए, कम से कम उस पर पैर तो रखें ?

13. निम्नलिखित गद्यांश में से किसी एक को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए - **5**

हिमपात अपने आपमें एक तरह से बर्फ़ के खंडो का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही था। हमें बताया गया कि ग्लेशियर के बहने से अकसर बर्फ़ में हलचल हो जाती थी, जिससे बड़ी - बड़ी बर्फ़ की चट्टानें तत्काल गिर जाया करती थी और अन्य कारणों से भी अचानक प्राय: खतरनाक स्थिति धारण कर लेती थी। सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे - चौड़े हिम - विदरमें बदल जाने का मात्र खयाल ही बहुत डरावना था। इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रवास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेग ।

(क) ग्लेशियर खतरनाक स्थिति कब ग्रहण करती है ? **2**

(ख) लेख़िका भयभीत क्यों हो गई ? **2**

(ग) हिमपात किसे कहते हैं ? **1**

अथवा

'नीचे को धूरि समान' वेद वाक्य नहीं है। सती उसे माथे से, योद्धा उसे आँखों से लगाता है, युलिसिस ने प्रवास से लौटने पर इथाका को धूलि चूमी थी। यूक्रैन के मुक्त होने पर एक लाल सैनिक ने उसी श्रद्धा से वहाँ धूल का स्पर्श किया था। श्रद्धा, भक्ति, स्नेह इनकी चरम व्यंजन के लिए धूल से बढ़कर और कौन साधन है? यहाँ तक कि घृणा असूया आदि के लिए भी धूल चाटने, धूल झाड़ने आदि की क्रियाएँ प्रचलित हैं।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर बताइए कि धूल के लिए कौन सी क्रियाएँ प्रचलित हुई हैं? **2**

(ख) धूल का स्पर्श कब और क्यों किया जाता है? **2**

(ग) सती और योद्धा के लिए धूल का क्या महत्त्व हैं? **1**

14 (क) 'जाकी छोटी जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै' को स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) विपत्ति के समय अपनी ही संपत्ति क्यों काम आती है? 2

(ग) मुफ़लिस-ओ-गदा का तात्पर्य समझाइए। 1

15. लेखिका ने गिल्लू के लिए परिचारिका शब्द का प्रयोग किन कारणों से किया है? 3

अथवा

कल्लू कुम्हार का नाम उनाकोटी से किस प्रकार जुड़ गया?

16. लेखक ने अपने उंडे को नारायण-वाहन क्यों कहा हैं? 2

खंड 'घ'

17. दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए । 5

(क) का वर्षा जब कृषि सुखाने :

वर्षा की उपयोगिता-समय का सदुपयोग-धन से मूल्यवान-निष्टापूर्वक कार्य

(ख) राष्ट्र के प्रति मेरा कर्त्तव्य

सात्विक और उच्च भावना-सेवा, त्याग और परोपकार-अपना हित छोड़ देश का हित-बाधक तत्वों को दूर करने के प्रयास

(ग) राजनीति में बढ़ता हुआ अपराधीकरण

कुर्सी के लिए संघर्ष-भ्रष्टाचार व अपराधवृति से हथियाने की कोशिश-नोट से वोट, वोट से कुर्सी, कुर्सी से नोट-जागृति आवश्यक

18. अपने छोटे भाई को अध्ययनशील होने की सलाह देते हुए पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपकी वार्षिक परीक्षा खत्म हो चुकी है अत: योगा कोर्स में दाखिला लेने के लिए पिताजी को पत्र लिखकर सूचित कीजिए।

- o O o -